

ॐ ६ चण्डयागार्चनविधि

ASHA ARCHIVES

|                         |      |  |
|-------------------------|------|--|
| आशुभकार<br>ASHA ARCHIV. | 3268 |  |
|-------------------------|------|--|







हं नमः ॥ मन्त्रः ॥ नवाय ॥ नवाग्रि विविधिलिषागा ॥  
 दोय उमान न ॥ ॐ अथादि ॥ य उमान स्या गी गी छी  
 वा न कुमालि दवी पृथ्वी लक्ष्मं पूर्ण निमित्तं रं नवा  
 ग्रिय ह्नि मिर्त्यं कर्तुं श्री सूर्याय अर्घ्य नमः पृथ्वी  
 नमः ॥ अमृक श्रद्धा ॥ य पूर्वम कल्पिते कागमिना  
 आहूति य ह्नि मिर्त्यं कर्तुं सूर्याय अर्घ्य नमः ॥

पृथ्वी नमः ॥ वायु ॥ इंद्राणां नमः ॥ अग्नि नमः ॥ अश्विन नमः ॥  
 दि ॥ यक्षराजनं नमः ॥ देवताया नमः ॥ सिद्धिं कुरु ॥  
 सिद्धिं कुरु ॥ या नमः ॥ ॐ स्वादि ॥ आचार्य नमः ॥  
 राजनं नमः ॥ नमः ॥ आचार्य नमः ॥ इंद्रादि ॥  
 नमः ॥ ॐ अश्विन नमः ॥ अश्विन नमः ॥  
 मस्कान ॥ ॐ अश्विन नमः ॥ अश्विन नमः ॥



सं॥ अ०३॥ इ० ए० ज० ला० द्य० पा० य० पू० डा॥ व० न० ना० रु० ग० य०  
ध० २॥ अ० ला० न० सं० पू० अ० ॥ म० ल० मे० नु० ए० स्था० ला० न० स्था० न०  
अ० ले० न० व० य० स्था० ला० ॥ ग० गा० व० लि० पु० दा० न० ॥ ग० ए० व० ट० क०  
अ० य० पा० ल० म० नु० ए० ॥ रु० ग० व० लि० म० भु० ए० ॥ न० वा० ला० ॥ इ० उ० का०  
दि० व० रु० ॥ अ० दि० ना० द० श० ॥ अ० द्रु० स० व० वि० द्रु० द्रु० ॥ स० व० र०  
ग० स्था० व० लि० ग० द्रु० र० स्था० हा० ॥ इ० य० क० वि० रु० ग० गा० य० व० य०

रु० गा० उ० वि० स० स्मि० ना० ॥ या० ना० न० सं० स्मि० ना० य० व० य० ग० द्रु० नु०  
०० मा० म० य० लि० ॥ अ० य० दि० य० ज० य० रु० ॥ ॥ उ० रु० ना० य० ना०  
वि० ग० वा० ग० ए० य० नि० व० द्रु० का० मा० ॥ का० या० गि० ए० रि० ॥ रु० म्मा०  
ए० ना० रु० म० य० स० क० ल० य० लि० क० ला० रि० ॥ द० व० य० न० गा०  
य० रु० ॥ रु० य० वा० य० ॥ य० व० न० म० ग० वा० ला० क० या० ला० ग०  
ए० ग० ॥ रु० य० वा० य० ॥ स० म० रु० ॥ स० इ० व० लि० वि० वि० ध० य० रु०



निह्यी॥ अग्न्यादिना अमुमनु गवलि विमर्जन  
 ॥ वृष्यावा कायाव वलि स द्वाय ॥ धनमवचक  
 व द्वाय ॥ ॐ निरुग वलि विधि ॥ ॥ तर्गाव कर्गया  
 पाधन ॥ यव वन्या सा द्यया यूजा ॥ यव दधि ॥ ॐ  
 मेरुषाय नमः ॥ ॥ दक्षिणे द्युन ॥ ॐ त्रं अद्या वाय शं  
 उक्त ॥ ॥ गम मूरु ॥ ॐ वी वाम दवाय नमः ॥ मध्य द्वात्रा  
 यमिम गम मयं ॥ ॐ लं स द्या जा गाय ॥ २

ॐ ॐ गम नाय ॥ अग्न्या ॥ ॐ दं २ स दामि वाय न  
 म ॥ गम यथा पूजय ॥ ॐ मिषानाथ य विमरु स्वरु  
 न्दाय धीमदि ॥ गन्ना वृद्धय वा दया ॥ ॥ षड् ॐ नृप  
 ॐ ॥ ॥ पूर्व व ॥ पूजनया दाम नु दाम मूरु रुय ॥ दधि  
 अदिन मधम मून नवाला य द्वा ॥ ॥ गम यथा ॥ ॥  
 व. अग्नि यजे मानया न ॥ ॥ गम मय लिग पूजा ॥







यजुर्मगीधमस्तु  
नवायामस्तु  
स्मस्तुहिनायस्तु  
नुनुहुरेज्जनस्तु  
भक्तिरेनवानस्तु  
वानाविवनस्तु  
रेसुपुष्ककलस्तु  
यानमस्तु॥ अस्तु  
वक्तुवक्तिभि॥ अस्तु

विष्णुगान्धर्वान्द्राह  
कनधोषनभक्त  
सालिन्वचनदद  
विष्णुकोलानधम  
आडस्मिन्मस्तु  
लेस्मिन्मस्तु  
वनस्तु॥ मस्तु  
यस्मिन्मस्तु  
वास्तु॥ मस्तु  
द्वयस्तु॥ कलस्तु  
स्मस्तु॥ मस्तु  
किस्मस्तु॥ मस्तु  
एनस्तु॥ मस्तु  
लानस्तु॥ मस्तु  
मास्तु॥ मस्तु  
सस्तु॥ मस्तु  
मास्तु॥ मस्तु  
आनस्तु॥ मस्तु  
गस्तु॥ मस्तु  
इस्तु॥ मस्तु



वि ३

नमो नाना नारायणाय नमः अथ दिनयत्न रूल शनमाः  
जल धूनी शनमाः ॥ पुस्तिका ॥ अथादि ॥ यजमानन ॥ ३  
अथादि ॥ यजमानस्य गी अमृक मृकिया सादायै विग्रह  
यजमानस्य गी अमृक रूल कामेनाथ विग्रह मस्कान वा सादा  
पुस्तिका ॥ अथ नानि मित्यर्थ विग्रह वल्लावन कर्तुं गी सूर्या अथ  
नमः ॥ ॥ मोक्ष न्य का प्र ति ॥ आचार्य न पाद पुत्रा नर्त्त ॥ मल  
व य वि ॥ आचार्य न ॥ ३ अथादि ॥ सूर्या अथ ॥ ३ न



[illegible][illegible]



यस्यस्यनिनिगायने  
सहितानरकाय॥

गगनस्य स्रगाकासाधिनं  
॥ यद्गमयिष्यते  
अथ यदि हि पञ्चगव्य  
साधनी ॥ उक्ता ॥ ६० ॥  
॥ उक्ता ॥ ६१ ॥ ॥ अस्याः  
स्य ॥ ६२ ॥ नमस्कृतं  
नाम ॥ ६३ ॥ यथा ॥ ६४ ॥  
उक्तं ॥ ६५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之五

मन्त्रिभूषण

[illegible]







मासादि ० सी ॥ प ३  
राधिनदा ॥ उत्तम ॥ २५  
श्रीरिस ॥ उत्तम ॥ २५  
कोषन ॥ उत्तम ॥ २५  
दी ॥ नय कुडन ॥ उत्तम  
राधिन ॥ कुडन ॥ २५  
कना ॥ कुडन ॥ उत्तम  
सा ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५ ॥

या ॥ व ॥ न ॥ म ॥ २५  
य ॥ नि ॥ रि ॥ न ॥ रि ॥ २५  
न ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
मि ॥ वा ॥ न ॥ म ॥ २५  
उ ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५

र ॥ वा ॥ रि ॥ ००० ॥  
य ॥ रि ॥ का ॥ या ॥ रि ॥ २५  
स ॥ रि ॥ वा ॥ न ॥ म ॥ २५  
दा ॥ रि ॥ वा ॥ न ॥ म ॥ २५  
॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
न ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
ना ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
२ ॥ न ॥ म ॥ २५ ॥ २५

न ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
उ ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५  
क ॥ वा ॥ न ॥ २५ ॥ २५  
न ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
न ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
व ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
या ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५  
आ ॥ न ॥ म ॥ २५ ॥ २५  
य ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
वा ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५  
य ॥ ००० ॥ २५ ॥ २५

ग ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५  
अ ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५  
सा ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५  
म ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५  
वा ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५  
न ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५  
वा ॥ वा ॥ रि ॥ न ॥ २५  
॥ ००० ॥ २५ ॥ २५



[illegible][illegible]



मगी क्लानरवङ्गकोय ॥  
कगीडालिं वङ्गो ॥ ३८५  
धर्दकयसं नै नरग  
वत्तरवमन्त्रिनी नरक्षी  
यज्जगन्नाथसर्वोत्थन  
वनेलया ॥ समया ॥  
वाक्ष ॥ याक्क्या धिय  
मिह्विह्वमिनेकाग  
यावथ ॥ नखलं क्लान  
रवङ्ग ॥ हिमरकाद्यान  
यन ॥ मुलकले ॥  
इनिधाय ॥ ॥ ॐ निक्का  
नेरवङ्ग विधाय ॥

धनलियक्कसिह्लात  
नमवकावक्कभीष्टीक  
मोयक्कयाय ॥ ३८६ ॥  
दि ॥ सय्याको ॥ उदरनम  
का नन्यासाद्यपायव  
जालेयुजा ॥

मगी वल्लिवविषयका  
॥ ३८७ ॥ गान्धर्वमन्त्रिनी ॥ गी  
धायमि ॥ वल्लिनी ॥  
उन्नमवन्त्रमन्त्रिनी ॥ न  
प्रवल्लिनी ॥ ३८८ ॥ गव  
दस ॥ ३८९ ॥ वल्लिनी ॥  
धयदि यकायमन्त्रिनी ॥  
॥ ३९० ॥ निव्वान्निवि  
कल्लो ॥ ३९१ ॥  
विह्वना ॥ लालावि  
कयन ॥ गमयसीन  
कुलकुलनिनी ॥  
३९२ ॥ वाधव ॥ यनी  
मन्त्रिनी ॥ ३९३ ॥ लक्का  
कउयलयन ॥ ३९४ ॥  
मिह्वि ॥ ३९५ ॥ रवन ॥  
उन्नमयामी ॥ ३९६ ॥  
दुर्गा ॥ गमयन्त्रिनी ॥  
धायमि मन्त्रिनी ॥  
॥ ३९७ ॥ गन्त्रिनी ॥  
नय्यन्त्रिनी ॥ ३९८ ॥



[illegible][illegible]



[illegible][illegible]











१०॥ उजगानि निन्द  
लो कयालो ॥ १०॥ उज  
मयालो ॥ अस्मिन्निन्द  
वि ॥ ८॥ उजगानि निन्द  
यस्मिन्निन्द ॥  
ॐ निन्दलो ॥ १॥ यस्मिन्निन्द ॥

गगनसुखयका ॥  
उदयिका ॥ य ॥ उजगानि  
हिलेन ॥ उदयिका  
य ॥ ॐ निन्दलो ॥ १॥ यस्मिन्निन्द ॥

यज्जका ॥ उजगानि निन्द ॥  
उजगानि निन्द ॥ उज  
गानि निन्द ॥  
ॐ निन्दलो ॥ १॥ यस्मिन्निन्द ॥

वलि ॥ उजगानि निन्द ॥  
य ॥ उजगानि निन्द ॥  
अस्मिन्निन्द ॥  
ॐ निन्दलो ॥ १॥ यस्मिन्निन्द ॥

वलि ॥ उजगानि निन्द ॥

१०॥ उजगानि निन्द ॥  
उजगानि निन्द ॥ ॐ नि  
न्दलो ॥ १॥ यस्मिन्निन्द ॥

गगनसुखयका ॥  
उदयिका ॥ य ॥ उजगानि  
हिलेन ॥ उदयिका  
य ॥ ॐ निन्दलो ॥ १॥ यस्मिन्निन्द ॥

यज्जका ॥ उजगानि निन्द ॥  
उजगानि निन्द ॥ उज  
गानि निन्द ॥  
ॐ निन्दलो ॥ १॥ यस्मिन्निन्द ॥

वलि ॥ उजगानि निन्द ॥  
य ॥ उजगानि निन्द ॥  
अस्मिन्निन्द ॥  
ॐ निन्दलो ॥ १॥ यस्मिन्निन्द ॥







॥ वलि ॥ किं नाम ॥ इदं  
यादना ॥ मात्रका ॥ अ  
नम्भदि ॥

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गंगादायकः ॥ ३५ ॥  
गंगादायकः ॥ ३५ ॥  
गंगादायकः ॥ ३५ ॥















॥ यमि सु॥ ॥ अगाः  
आन ॥ उभयानुदय  
दीक ॥ ॥ अनायुय

इमनिष्ठादिद्वय ॥ अस्मा  
दभिसिधमदाय ॥  
उगदेवाभिस्तदा ॥ अ  
तर्थादुदयस्य ॥ अक  
भाकोनद ॥ अकपुष्पा  
कनिधय ॥ ॥ अग्ना  
अपस्त्रवर्कनिय ॥ उभ  
नुवृत्तायगयस्य ॥  
इदमनययुजायग  
ययाग ॥ अग्नास्यय  
य ॥ अस्यायने ॥ उदय  
स्यर्त्तने ॥ अयययद  
ककनिष्ठयनियदि  
या ॥ अग्नासहिर्गनस  
वृत्तायवककन्या ॥  
॥ अगद्वयुजायगिद  
वगामानसविज्जिह्व  
वृत्तायवककन्या ॥  
गदीयनि ॥ अयययद  
अकले ॥ अयययद

ययवृत्तायमनायस्य  
ना ॥ उदययनाय ॥ उ  
यनायस्य ॥ अयस्य ॥  
उभयानुदय ॥ उदय  
अनायस्य ॥ उदय  
यग ॥ उगयययद  
नायस्य ॥ उदय  
दीना ॥ उभययलोभास  
नायस्य ॥ उदय  
मययय ॥ उभययक  
नायस्य ॥ उदय  
अ ॥ उदयययस्य ॥  
॥ उगययययय ॥ उ  
ययययस्य ॥ उदय  
क ॥ उभययययय  
कुनायस्य ॥ उभय  
वयय ॥ उभयययय  
नयययस्य ॥ उदय  
रुदय ॥ उदयययय  
गययय ॥ उदययय  
गययय ॥ उदययय  
सादा ॥ उदययय















संज्ञा च खलु॥ संज्ञा व  
रु॥ अथ वा॥ न विभू  
तः॥ अथ वा॥ न विभू  
तः॥ अथ वा॥ न विभू

गगनिल्लिङ्गनि॥ त्रिदि  
पञ्चमसूक्तं॥ उदय  
यत्ना॥ इयत्सुखेन  
एतत्कर्तव्यं॥ उदय  
गामि॥ समस्तं॥  
यद्गम्यमानं॥ दिप  
त्रिदिनि॥ यत्ना॥  
नगनि॥ लंनि॥ गग  
यत्सुखं॥ नयत्सु  
नरुत्सावत्सुखं॥  
यत्सुखं॥ सत्सुखं  
यत्सु॥ उदयत्सु  
यत्सु॥ न॥ उदयत्सु  
यत्सु॥ गगनि॥  
यत्सु॥ उदयत्सु॥  
यत्सु॥ उदयत्सु॥  
यत्सु॥ उदयत्सु॥  
यत्सु॥ उदयत्सु॥

संकेतः ॥ यद्वा ना नरा  
वक्त्रकलितप्रभिरु  
ननामायैरगदीनेक  
यकिनादनाभिभिन्न  
शक्तिनिदनाभयलि  
दतिमेकल्यसिद्धिनेह  
॥ ॥ गगनादिकनि ॥ म  
दायादुनिपुवकनरे  
वृक्षमयै ॥ वद ॥ स्म  
कथास्मकलम ॥ स्म  
कलम ॥ मयुध ॥ जुध ॥  
वलि ॥ गगनादिक ॥ कीना  
नी ॥ गगनादिक ॥ कीना  
दा नदि ॥ लव सवि  
दुनिदुदया ॥ ममि  
मेल्या ॥ गगनादिक  
सर्ववदयै ॥ गगनादिक  
उपमदविदुनादिक  
॥ गगनादिक ॥ ममि ॥

नगायधकभाउ  
मननययाव  
नानयवका  
ननयवका



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीभक्तिसहितप्रबोधनसंस्कृतसंग्रहः समाप्तः ॥

१  
क नादि अति लीरु  
न ना व न न सिद्ध न स  
उ दी र्ध न अ न रि  
यु ति क्क ॥ ली र्ध धन  
धय का व वा अ ए ग  
का य ॥ वा अ ए न य  
हि का उ य य ॥ उ ई र्ध  
४ अ म्मा य रु ट ॥ अ  
य पा य मा ली र्ध न रु  
य ॥ ॥ य अ ग र्ध न  
ला य ॥ उ ई र्ध स ४ स वः  
रू गा य रु ट य मा य न  
म ॥ अ र्ध द र्ध न रु  
य रु ले न ॥ उ ई र्ध स ४  
अ म्मा य मा य न स ४  
उ र्ध स य रु ले न ॥ उ ई  
स ४ र्ध मा ग र्ध य न  
म ॥ उ ई र्ध र्ध क म् उ  
म ॥ उ ई र्ध न स ४ म् र्ध  
य व ॥ अ र्ध ली ना ना  
य र्ध मा रु ले न रु र्ध  
उ य र्ध र्ध न र्ध न रु  
व का य ॥ १०६ ॥ ॥



कुं ग कुं न न ग ग य ध म  
 न म ध ॥ ३ ॥ न ल म ल ॥  
 ॥ इ न म १ मि वा य  
 ॥ ध ग म व ष ज न  
 न म ल ष ड व य ध म न  
 ॥ १ ॥ ॥ इ म म र ष  
 व णि वा सु द य ष ॥ ध  
 वि क क न म न न ध  
 उ व य ध म १ ॥ ॥ मि  
 व ग म य ज न क व य ध  
 न ॥ ॥ ॥ इ ग म न म  
 य वि न्न र वा क ष ड क  
 य ध म न दि ॥ ग न मि वि  
 व य ष ड य ॥ ॥ वि  
 क ग य ज न क व य ध  
 ध म ॥ ३ ॥ ॥ इ न न य  
 ष म य वि न्न र वा क  
 स दि ग व ष म न दि  
 ग न वि क ष य वा द  
 य ॥ ॥ ॥ इ न न य  
 म य ज न क व य ध  
 न ॥ ३ ॥ ॥ इ म ग म य  
 वि न्न र वा क ष ड क  
 ध म न दि ग न न ॥ १ ॥

व य ष ड य ॥ ३ ॥ ॥  
 ध म न ग म य ज न क  
 ध म न ३ ॥ ॥ इ मि र न  
 ध य वि न्न र वा क  
 य ध म न दि ॥ ग न न  
 व य ष ड य ॥

ग क न ग न य ष म  
 य ज न क व य ध म  
 ॥ इ ग क न न ग य ध  
 य वि न्न र वा क य ध  
 ध म न दि ॥ ग न न वि र  
 व य ष ड य ॥

ग क न न क य ॥ ३ ॥  
 ध म १ ॥ ॥ क क म न  
 न न व व क क न ध वि  
 मि वि न्न र वा क य  
 क य म क क न वि मि  
 वि न्न ॥ ॥ वि र न  
 ध म न ॥ ॥ इ न  
 ॥ अ ल ग व य ष म

उ व क य क न ॥ ३ ॥  
 ध म वि न्न र वा क य  
 ध म ॥ ३ ॥ ॥ इ न







[illegible]

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।  
श्रीगणेशाय नमः ।  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय ।  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥

एतस्मिन्नानायाथात्म्ये  
 उक्तां कलस्मिन्वास्मिन्  
 वायुस्मिन्वायुवि  
 गकनमः ॥ ॥ विव  
 अस्मानमन्त्रः ॥ अस्मन्  
 एतद्विगकनमः ॥

विनायक कालिदास  
एवमय। कालिदास  
राजि कालिदास॥

[illegible]



विवासेनयविकर्कनम

ममिगमगमनान  
यधेधनयतिगनान  
जुदिनमालिकमि  
विवासेनयविकर्क  
यःयवयवसममि  
ममविवासेनयवि

धनधनकावगमयवि  
उककैयधयविपाहि  
न॥अरुमयडमान  
यागनिमानक॥उ  
यागगगानरु॥उ  
यादि॥उकागानरु  
यादययदधमानक  
विवाकगकिमुसम  
सुसुसुसुसुसुसुसु  
गगगगगगगगग  
यधसससुसुसुसु  
सोनोमन॥विवा  
यधसससुसुसुसु  
सुसुसुसुसुसुसुसु  
सुसुसुसुसुसुसुसु  
सुसुसुसुसुसुसुसु

विमनेजानादियय  
वुवविगकसवधम  
वदामानममिमुय  
मोदमअमिगिगमि  
दयममिदयगगद  
यव॥ममिगममि  
यानेयमिदिगयवि  
वावक॥निवदयाम  
दुययवगगययवि  
गके॥नयमममि  
यामियवमगगवा  
या॥उगनरुमयवि  
मविवाविमकायध  
मदि॥गनेमिवाय  
दया॥उनाया  
धयविमरुलेमम  
दिगायधमदि॥ग  
विम॥यवदयाग॥  
ममदयनानायाध  
विमरुनानायाध  
यामदि॥गनरुमि  
वयदया॥कुमक  
ननायधममम  
ममममममममम



















नाञ्जययनमस्यल्ल  
 उपाहिनाविम्वदम  
 म्मल्ल॥उयकूयदि  
 विरावमस्यल्ल॥उ  
 मवैयदिभगवत्त  
 म्मल्ल॥उनेनेविम्व  
 ल्ल॥उनेनामिदि  
 दामिमल्ल॥उउ  
 कानयनाकानग  
 वद्वियगनमम  
 दमैकल्लमिदि  
 नेमिययमदिन  
 म्मल्ल॥

वा॥ गयय॥ उवी  
 गयविम्वदम  
 विगययमदि  
 वदिम्वययद  
 उंवेवकुगस्येन  
 यउनममिम्व  
 उविट्टकगस्येन  
 यउनममिम्व  
 उंमल्लकगस्येन  
 ययउनममिम्व  
 ॥उंनेनेमम  
 यउनममिम्व  
 यउनममिम्व

यच्चारुमभावि  
 कानुयञ्चावि  
 म्वयनममव  
 ममिम्वल्ल॥  
 ॥रुन  
 ॥नययुधि  
 ममम  
 ममल्ल॥उं  
 ययचानि  
 मम  
 मल्ल॥स  
 दिवममम  
 मल्ल॥

॥ददुव  
 नकययदि  
 जायगयम  
 ल्ल॥उं  
 कनिचानि  
 मययल्ल॥  
 यययुधि  
 नययल्ल॥  
 म्लकवकु  
 ययययि

मन्त्रकगस्येनममवयउन ममिम्वल्ल॥॥॥







ममोमनुयासा नैव  
 विगवयंदिक्काव  
 कुय० उंआयाअ  
 दानेमा॥ यद्विगभा  
 वनी॥ ॥ व्रअटादु  
 धूयागदकिअमदने॥  
 ॥ गगा॥ सुयअमद  
 णिकानय० ॥ योक्रः  
 धीसथनयायउथ  
 दावखानमासिअ  
 इयानगयावमन्ना  
 दार्थाकाकग॥  
 यऊमानेनेअया  
 स्काणीयेला॥ सुय  
 कानय० ॥ यऊमाने  
 सावववहनआ३ग  
 कननानायादीरदा  
 नकपविगभाहननि  
 सिनयसुपुअमदुनि  
 सनन० केसुमु॥ उद  
 दोगभदुविदिदिनि॥

उंआयायससम  
 पुने॥ उंमगपया  
 सिसमया॥ उंआया  
 यसेमदिनकम॥ उंअ  
 ययसेम॥ उंखलान  
 विनकमवि॥ उंअमिः  
 इविअयअमस॥ उं  
 यय० यविवायेय॥  
 उंदवसन्ना॥ उंअमि  
 न॥ कवउने० ॥ उंउ  
 इयकमसयनिस॥  
 उंऊयदादिदवनेम  
 ॥ उंमया० लुअसीयव  
 ला॥ उंनभाखअदीन  
 मसि॥ उंअमनिनु  
 सासोम॥ उंयदवासा  
 दिवोका॥ उंयनस्तदि  
 यानद॥ उंयधमादि  
 गीयदिगमा॥ उंसेवगदि  
 नका० रुदि॥ अमदा  
 गनकगपानिकनदी  
 क० म० नानेवनेम

सेमि ॥ १











भाना ललाटज्यावाया  
दक्षिणावोदु मूलैह  
दिगिलोककानयम ॥

॥ कलाभादि विसेरु  
ने ॥ उउउय नमरा ॥

॥ यरू सिहामा

ननेससि कयकमा  
ननिमिने ॥ उ नका

रुनी ॥ वानि ॥ उं यरू

वावद ॥ गगा इरिषक

कानय ॥ दय ॥ य

वागामरा ॥ धुनिषय

॥ उं अरिषक सुमदु

मनु ॥ उं दवस्य ॥ उं

विना कय ॥

वनेन ॥ उं यदडाक ॥ मि

दय ॥ उं रू उ विखद ॥

॥ ॥ यमवलि सु

याभा ॥ रुनी ॥ उं सोमिका

अं उ न ॥ सुउउ ॥ उं द

सिकाया ॥ अभा ॥ विद

॥ उं दीर्घा यरू ॥ अ

गार्वा द ॥ उं कुवा सि

उं उं द ॥ ह वि ॥ से

वा ॥ दय ॥ वला के न

॥ ॥ अरि नम रुका

नी ॥ उं ग कुं आ ना व

॥ यरू वि से कुं ने ॥ उं य

रू य रू ग व ॥ उं ग व

ग व रु न ॥ य धु मि ॥

रु द य न ॥ ली नी ॥

अ व म न ॥ उं य रू

वा ॥ अ व म न ॥ उं य

रू म न ॥ अ य य रू

वि द व रू ग मा ॥ अ म

र वी क य ॥ य न ॥ अ व

रू म ॥ उं रू व रू व रू

रू रू ॥ अ व रू य ॥ रू

या य रू व न म ॥

व लि रू रू व न ॥ अ म

रू व म व लि क म नी

रू य ॥ ॥ ग म रू



वेवाक्षमनशिवोद  
यका ॥ ॐ निगङ्गा  
नानायधमनयविज  
नाह नविधिसमाप ॥

॥ १४४ ॥ मित्रिकमस  
दीधुययक ॥ यदुवा  
नवायावगायसुनिध  
उलसीन ॥ उलसीध  
यक ॥ कथा ॥ १० ॥ ॥ १४५ ॥  
नदिधुयकपात्तयका  
॥ उअथादि ॥ सुय  
दीधुन नमस्कन न्यास  
यथाययका नमयका  
नगाधवाचन ॥ उग  
यासि ॥ उदवस्य ॥ उ  
गधमन्या ॥ उदवस्य ॥  
उगागान्मिनिधु ॥ १० ॥ उ  
अधिममसुका ॥ उअधि  
इग ॥ उ नभावन नभाय

॥ अद्यवलिपुत्रा ॥ उअ  
नसि ॥ उ नगासि ॥ उअ  
१४५ ॥ लिनी ॥ उअ नयम ॥  
॥ मग चाय मल  
य नैयसि गवय ॥ ४४ ॥  
ननिपादायक ॥ अ नसु  
न ॥ सुययसि कि नमचाय  
॥ उअधिममसुका ॥ उअ  
मिअमि ॥ उमभी नुनिधु  
निसु ॥ ॥ मलानीयसु  
वान ॥ ॥ मनीमलानी  
यवाक्याय ॥ उअ  
अनवाना ॥ उअथादि  
॥ उ सुययसि मादयया  
वगावल्कालीमयायु  
रु नि नमसायी ॥ यथ  
ययक निमिधिव ॥ मल  
दीयमलानुदक गल  
गमयुवि ॥ उ ममयुपदी  
धनमयमनि नमलेक  
४ ॥ कन्यासुनि लेमिचक



[illegible]

वधदधानादिनि

[illegible]



[illegible][illegible]



२॥ ॥ नमि वलु या म  
वन वि सि ॥

गगाद वा च न ॥ स्नानादि  
य विजा गानु नु पु व ॥  
॥ व दानु ॥ ध प द  
य म लु ल फे ल ॥ ब्र म ए  
यु का द वि ए म के ॥ च म  
ए म द के न ज नि स के च  
न न सि द न स ड ए सि स  
न य टि का य ड मा य ड  
गानो गी व दि द न्या ॥  
म ला दी व वि स कु न ॥  
॥ ग ए य नि ॥ कृ क  
य न ॥ वृ का ए म दि पु का  
न य ड स दि ग न ग य हा ॥  
य व गा य द वि ए क भ ए  
रु स ग न य री ड क न  
कानु ॥ ॐ नि गी थ क न  
ना ना य ए स य वि जा म  
र वि सि स मा क ॥

॥ वि वि द न ए म न य म ॥  
॥ क लि का य वि सि क  
॥ य व ग न गी स न सि

॥ र ग क र वि म र्क डी ड  
टा क म टा क र्क न क व  
क ति ने य ए र ए लु नु क  
ग र व ए ॥ द का ड म र  
य ए म र गान य म मा क  
॥ अ नि र ज व वा द म  
र ॥ ए न म व र न ए  
सि र सि र न दि लि म  
रु क क म क म ए लु र  
द वि ए ॥ ग द ग र क  
ध व क म य र य ए ॥  
सि व म क न ड री य  
म न य य ड ड व नि द  
न ॥ न य ए य ॥ ड न म  
ग ॥ ड न न ॥ ग य ए  
य ॥ अ थ व ड वि सि  
लि र य ग ॥ अ व  
म न ॥ ॥ सि ग व न  
॥ क म लि ॥ दि अ  
म न स न ॥ का व व वा सि  
म र व न ॥ उ व र व स म  
॥ ए स अ य ॥ म ग न  
य न य न म ॥ ड ड न व  
न म ॥ उ गी थ क न ॥



गायधनमसः ॥  
 उंआधनमीकि कस  
 लोस नायनमः ॥ स  
 सेन ॥ ॥ धननाम  
 जययाय ॥ ॥ उंभी  
 ययुर्दुरु ॥  
 भाभिजि सधुनायक  
 रुट ॥ ॥ नुरुंरुस  
 रुंरुंसेन ॥ नयाकस  
 नसाइकायपधमक  
 धउसाययाय ॥  
 यो१२धवायुयोऊन  
 उवकोसयोनिधया  
 वरवकोसनेसाइ  
 कायधयमनीनसध  
 रुपायपुनृषुयुक्क  
 याय ॥ ॥ न२५ध  
 वदिवीऊननयादा  
 कोसयनभयावर्क  
 रेकयायपायपुन  
 यदभययाय ॥ य२५  
 वायवोऊनखवलादा  
 कोसभेयावऊवलादा  
 कोसिनसाविकभारे  
 सयुवरेनय ॥

व२५धवनवीऊन  
 नयाधकासेधेयाव  
 उमननभमीयुर्दु  
 याय ॥ ॥ धनरु  
 मुदिपाववभमीन  
 ससमसेयायभमीन  
 निमननिधयापकव  
 रुनय ॥ ॥ धवधव  
 ल० नभउमऊवलादा  
 ननशियावधयन  
 मासाइआययाय ॥  
 ॥ नुरुंरुस० र्भादंभ  
 कननायोधेधुसार्द  
 नु ॥ ॥ गगामा० रुका  
 नास ॥ गगाधोकाभ  
 वादिमा० रुका० नासमा  
 ॥ गगसाधना० नासा  
 धम० वि० नुंभुगी० नु० नु०  
 शान्ति० श्रीनामाय० धम०  
 वगभम० श्रीविद्या० वि०  
 नमि० वि० नि० ग० ॥  
 ०० गि० ध० वि० के० स० र्भा  
 वि० न० स० क० न० न० नास  
 के० या० ॥ ॥ ग० य० ध०



[illegible]

गयधयविद्यलभ्य  
 उवनेदायकवचन  
 क॥ ५३कीडनभाना  
 गोधधयदसमदिडा  
 यदेवेगमकुडिदिम  
 धमादडेनभानागय  
 धययसदभास्कायस  
 दाधुिककचननेयान  
 गययययद॥ ५३गोड  
 नभानानाधेधयदस  
 धमादुअयनेलवधस  
 सधुल्लेनअ४कीदस४  
 मादुडेनभानागयध  
 यदेसधमादडेनभाना  
 दाधधयअनकोल्ल  
 यय४धुल्लेनअकाय  
 रुद॥ ५३गिखउ  
 इमेकानकुसुदिगल  
 केकनयाद्विन्यासाद  
 यादिखउकुखविदि  
 मे०॥ १०॥ गमीयाने॥  
 विआनविचमुकगोड  
 गकुमुययकोभाकी  
 दनेसुदभानेधसिद  
 के॥ मोदाभिनोयदिन







व कोशा को रव दिभे म  
 या ये नम ॥ ५ कोशा को  
 व कोशा को भि दिभे न व  
 ये नम ॥ ५ कोशा को व  
 कोशा को रु नि न वोर को  
 नम ॥ ५ कोशा को व  
 कोशा को म ग नि न वि  
 सो मि नो नम ॥ ५ कोशा  
 को व कोशा को भु नि न वि  
 न या ये नम ॥ ५ कोशा को  
 व कोशा को पा मि भ वि न  
 को ये नम ॥ ५ कोशा को  
 व कोशा को अ व को भि न वि  
 न या को नम ॥ ५ कोशा को  
 व कोशा को म व भ य वि  
 न ये नम ॥ ५ कोशा को  
 व कोशा को न न जा य म न  
 न या ये नम ॥ ५ कोशा को  
 व कोशा को नि नु न म न  
 न या कोशा को व कोशा को  
 न या ये नम ॥ ५ कोशा  
 को रा कोशा को न न क वि  
 न म म को नम ॥ ५ कोशा  
 को म कोशा को व ये न  
 को नम ॥ ५ कोशा को व







[illegible]

क। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥  
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥







[illegible]

गङ्गा। मृत्प्रेतमद्याधमद्यामी  
 कुरुनेवकापुनककुरु  
 कनम॥ ॥ धानप्रदा  
 वलिसु॥ ॥ नदिसु  
 सु॥ दध॥ कुननामोद  
 ४५॥ दनु॥ ॥ नदी०  
 दकु॥ ॥ अ० धन०  
 कयानम०॥ अ० नकास  
 नायनम०॥ सु० द्याय  
 नम०॥ ना० नो० यनम०॥



[illegible]

धनश्रीर्गिकमना नार्य  
 नान्मिन्नमन आवनय  
 रुदयसयुग्मियाय ॥  
 धनश्रीर्गिकमना नार्य  
 यमनसयुग्मियाय ॥  
 धनश्रीर्गिकमना नार्य  
 विद्यावक ॥ धनश्री  
 लिपिकवडवलिपि  
 स्यालनश्रीडलिसि  
 स्यालनश्रीडलिसि  
 धनश्री ॥ ॥  
 धनश्री ॥ ॥  
 धनश्री ॥ ॥  
 धनश्री ॥ ॥

[illegible]















म नृप द्रविशगकिमाला  
 वदन्निना। यामप्रस्य  
 सुतमद गीडीख द्वाङ्ग  
 वामके। मरुतामडाप्रद  
 ममनमवसिद्धि रूनिव  
 द। सवयायविनिमूर्क  
 सिखासहु न्दशेनर्व॥  
 अशो नमन्क एश्याङ्कः  
 नि३॥ न्दं गिअशामय  
 जाविदि॥

वनर्म। यम। कननाम  
 यद्ययुक्तन॥ मन्निमन्  
 द॥ अं गक ननी नय  
 म॥ अणनमप्रडर्गक  
 नेना। गयभयविदि  
 रेना। गयभयविदि  
 रेना। गयभयविदि  
 रि। न नोदनिरेनय  
 योदया॥

ग अठ ना गयय। गमना  
 मम। नययय लसस  
 मन्क वीयुक्तय॥ न्दं  
 निदुकासर्वद वाना॥

गग४ यविगक न्दना  
 दया। गगानुग॥ अवि  
 वासनाम अयो देगक  
 द्वासस नकाव॥ अशे  
 नखउ इत क४ अयं क  
 वखउं गनयुका॥ नि  
 प्रलिग नृउम द्वाद मर्क॥

गगावलिदिश॥  
 उंकोकीङ्ग गीङ्ग न्दशेन  
 वायनवयव निगदके  
 साहा। उंको यव्वादिदि  
 म्मा न गद्यगानिनीया  
 गरु नकैर नागि रेय  
 यरु नकैर नागि रेय  
 पुमदि मरवधना ल्मय  
 न्दंमा वामिउको रेय  
 शो॥ उंको कविष  
 केनायव निगदके रेय  
 सा। उंको अक यो अज  
 यमव्वमपु नरुन रसा  
 सा। उंको सुन ममना  
 मय्य भयति ममना  
 नेकोम४ ने म४ साहा  
 न्दंको ययुका गदके  
 रेयाहा। उंको अययो



रुन ॥ ग ॥ क न ॥ ध ॥ रि ॥ म ॥ रु  
म ॥ र ॥ क ॥ म ॥ र ॥ ध ॥ य ॥ व ॥ क ॥  
य ॥ र ॥ स ॥ व ॥ क ॥ न ॥ र ॥ य ॥ ज ॥ ध ॥  
व ॥ वि ॥ न ॥ म ॥ य ॥ र ॥ ज ॥ क ॥ न ॥  
वि ॥ न ॥ र ॥ य ॥ न ॥ ग ॥ क ॥ मि  
दि ॥ म ॥ ध ॥ न ॥ म ॥ र ॥ क ॥ वि  
द ॥ न ॥ र ॥ म ॥ र ॥ य ॥ दि ॥ न ॥  
र ॥ ग ॥ दि ॥ र ॥ य ॥ क ॥ म ॥ न ॥ क ॥  
के ॥ ने ॥ ग ॥ म ॥ न ॥ स ॥ र ॥ न ॥ ध ॥ म ॥  
व ॥ श ॥ रि ॥ ल ॥ म ॥ य ॥ द ॥ ॐ ॥ म ॥  
न ॥ र ॥ ग ॥ ग ॥ द ॥ प ॥ न ॥ उ ॥ म ॥ र ॥  
द ॥ न ॥ र ॥ क ॥ य ॥ श ॥ म ॥ र ॥ ग ॥ र ॥  
र ॥ म ॥ र ॥ ॥ य ॥ लि ॥ ग ॥ र ॥ क ॥ र ॥  
म ॥ र ॥ न ॥ ॥ ॥ म ॥ र ॥ लि ॥ न ॥ ध ॥  
य ॥ र ॥ य ॥ ॥ म ॥ र ॥ लि ॥ न ॥ क ॥ प ॥  
॥ १०८ ॥ रु ॥ प ॥ ॥ स ॥ म ॥ य ॥  
य ॥ ॥ य ॥ अ ॥ म ॥ न ॥ न ॥ म ॥ ध ॥ र ॥  
क ॥ र ॥ य ॥ मि ॥ र ॥ ॥ क ॥ न ॥ य ॥  
उ ॥ न ॥ म ॥ र ॥ य ॥ श ॥ र ॥ क ॥ न ॥ न ॥ म ॥  
ध ॥ य ॥ न ॥ म ॥ र ॥ ॥ य ॥ ग ॥ ग ॥ र ॥ र ॥  
क ॥ य ॥ ॥ लि ॥ मि ॥ ॥ उ ॥ न ॥ म ॥ र ॥  
वि ॥ रु ॥ न ॥ र ॥ य ॥ म ॥ ॥ ग ॥ ध ॥ म ॥  
व ॥ उ ॥ ध ॥ म ॥ न ॥ य ॥ अ ॥ न ॥ य ॥ व ॥ अ ॥  
य ॥ र ॥ य ॥ न ॥ य ॥ ध ॥ मि ॥ र ॥ ग ॥ म ॥

वि ॥ र ॥ ल ॥ य ॥ ॥ म ॥ र ॥ म ॥ र ॥ क ॥  
ग ॥ न ॥ द ॥ क ॥ न ॥ र ॥ म ॥ न ॥ न ॥ न ॥ क ॥  
वि ॥ ॥ ॥ ॥ र ॥ म ॥ वि ॥ न ॥ य ॥ म ॥  
ध ॥ व ॥ म ॥ क ॥ ल ॥ र ॥ म ॥ र ॥ य ॥  
ग ॥ र ॥ ग ॥ मि ॥ र ॥ य ॥ म ॥ र ॥ य ॥  
न ॥ स ॥ र ॥ य ॥ ॥ य ॥ न ॥ द ॥ म ॥ र ॥  
न ॥ य ॥ म ॥ र ॥ न ॥ र ॥ द ॥ न ॥ य ॥ म ॥ र ॥  
व ॥ न ॥ य ॥ म ॥ र ॥ न ॥ र ॥ द ॥ य ॥ ॐ ॥ मि ॥  
म ॥ न ॥ क ॥ ग ॥ म ॥ र ॥ न ॥ मि ॥ ॥ ॥ ॥  
ग ॥ र ॥ म ॥ ध ॥ न ॥ ॥ य ॥ र ॥ क ॥ मि ॥ य ॥  
र ॥ न ॥ न ॥ लि ॥ क ॥ ध ॥ र ॥ क ॥ ध ॥  
क ॥ र ॥ र ॥ मि ॥ य ॥ क ॥ म ॥ य ॥  
ग ॥ ॥ य ॥ ॥ र ॥ य ॥ ग ॥ र ॥ य ॥  
न ॥ ॥ म ॥ म ॥ र ॥ न ॥ लि ॥ क ॥ म ॥ न ॥  
अ ॥ र ॥ र ॥ द ॥ य ॥ ॐ ॥ मि ॥ म ॥ न ॥  
ग ॥ म ॥ म ॥ न ॥ मि ॥ ॥ ॥ र ॥ मि ॥ म ॥  
न ॥ मि ॥ र ॥ म ॥ ध ॥ स ॥ र ॥ न ॥ र ॥  
क ॥ य ॥ ॥ य ॥ ॥ म ॥ न ॥ य ॥ य ॥ म ॥  
वि ॥ ग ॥ म ॥ र ॥ न ॥ र ॥ न ॥ र ॥  
न ॥ ग ॥ य ॥ ध ॥ र ॥ न ॥ न ॥ र ॥  
न ॥ म ॥ र ॥ य ॥ ॥ य ॥ न ॥ य ॥  
र ॥ र ॥ य ॥ ॐ ॥ मि ॥ र ॥ म ॥ ग ॥ म ॥  
न ॥ न ॥ मि ॥ ॥ ॥ ॥ म ॥ र ॥ य ॥ र ॥  
य ॥ ॥ य ॥ मि ॥ र ॥ म ॥ र ॥ य ॥ क ॥















ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

































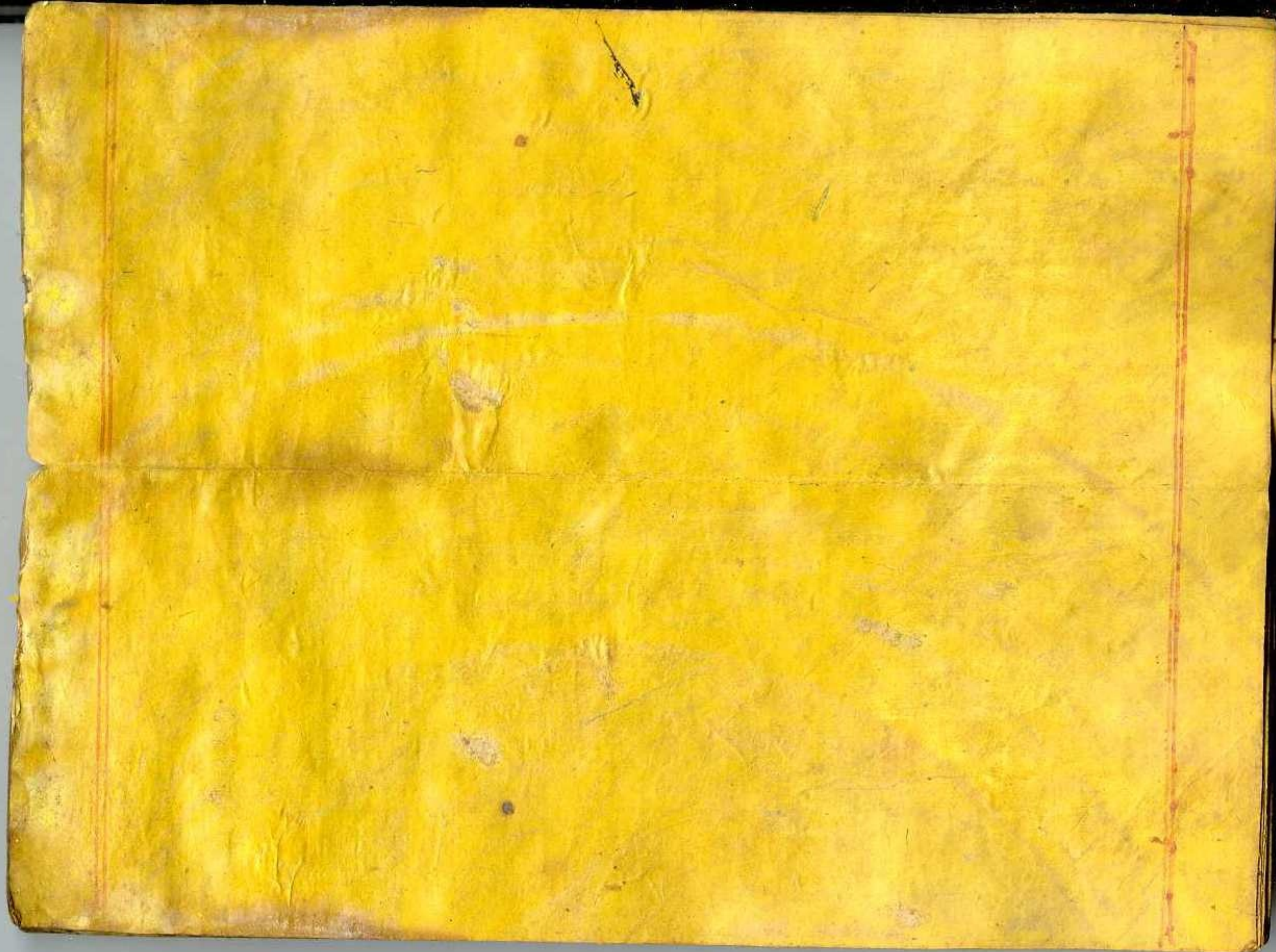


































































































































क००॥ अ०॥ ००॥ अ०॥  
ग०॥ अ०॥ अ०॥ अ०॥  
ह०॥ अ०॥ अ०॥ अ०॥  
क०॥ अ०॥ अ०॥ अ०॥

[illegible][illegible][illegible]

सुखमहादशोक्त्या  
रणीयदादमाकाः सुप्र  
वृथदादमाकाः सुप्र  
कनं लंकी वक्रदिगा  
रुकरुलकी  
हसकलिका

हयक न की - जीव दृष्टिगा  
हयक न की -  
हयक न की -

[illegible]







१ आरुत वडक ।  
 २ नरुत । गेल्यास  
 ३ सानवा रुत  
 ४ कयलु वक्राले  
 ५ कायुम मादधनी  
 ६ कायु ॥ क्रिमाती  
 ७ मूकया वैक्यी  
 ८ दुकाया वानादी  
 ९ ववा ००० टायणी  
 १० मास चामुष्ट  
 ११ लका महाले श्री  
 १२ इष्ट समिध चडिक  
 १३ रुदुदने दधेदन  
 १४ चडिक ॥  
 १५ रुकुत महाले श्री  
 १६ रुकध काती  
 १७ रुत महाम  
 १८ ००० रुत वडिक